विश्व के लिए सेमीकंडक्टर बनाएगा भारत : जयशंकर

संबोधन

गांधीनगर, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि भारत का सेमीकंडक्टर अभियान केवल घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए नहीं है, बल्कि इसका लक्ष्य वैश्विक मांग को पूरा करने में सहयोग देना भी है। यह मेक इन इंडिया और मेक फॉर वर्ल्ड का सशक्त उदाहरण है। जयशंकर गुजरात के गांधीनगर में सेमीकॉन इंडिया कॉन्फ्रेंस 2023 को वर्चुअल तरीके से संबोधित करते हुए ये बातें कही।

जयशंकर ने दुनियाभर की अग्रणी सेमीकंडक्टर कंपनियों के शीर्ष कार्यकारी अधिकारियों से कहा कि भारत-जापान के बीच सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला पर सहयोग संबंधी एक समझौते को इस माह अंतिम रूप दिया गया है। इसी प्रकार का एक समझौता मार्च में अमेरिका के साथ किया गया था। उन्होंने कहा कि भारत उभरते भू-राजनीतिक परिदृश्य में लचीली आपूर्ति श्रृंखला के लिए देश में निर्माण इकाइयां स्थापित करने के वास्ते प्रमुख सेमीकंडक्टर उत्पादकों को आकर्षित करने की कोशिश कर रहा है। विदेश मंत्री ने कहा कि विश्वसनीयता और पारदर्शिता डिजिटल क्षेत्र के भविष्य के महत्वपूर्ण मुद्दे उभरकर सामने आए हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की दुनिया में हमारे डेटा को कौन संसाधित करता है और एकत्र करता है, जैसे सवाल महत्वपूर्ण हैं। अमेरिका के साथ महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारत के बढ़ते सहयोग का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, तीन अमेरिकी कंपनी माइक्रोन टेक्नोलॉजी, लैम रिसर्च और एप्लाइड मैटेरियल्स ने खास प्रतिबद्धताएं जताई हैं।

सीईटी शक्ति के नए आयाम के रूप में उभरेंगी

जयशंकर ने कहा कि अगर महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियां (सीईटी) शक्ति के नए आयाम के रूप में उभरें, तो इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं होगी। उन्होंने साथ ही जोड़ा कि सीईटी क्षेत्र में चिंता इस बात की है कि बाजार हिस्सेदारी किस तरह प्रभावित होती है और उत्पादन में प्रभुत्व का अन्य क्षेत्रों में क्या लाभ उठाया जाता है। भारत जितना अधिक आत्मनिर्भर होगा, सेमीकंडक्टर उत्पादन में भी उसकी आत्मनिर्भरता उतनी अधिक होगी।